भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
लोक सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 330
11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ

विषय: राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-पाम ऑयल

***330. श्री दिलेश्वर कामैतः**

क्या **कृषि और किसान कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-पाम ऑयल (एनएमईओ-ओपी) के अंतर्गत पाम ऑयल की खेती के लिए अनुमोदित लक्ष्यों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और उन लक्ष्यों की तुलना में पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत लाए गए तत्संबंधी क्षेत्र का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार देश में खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनने के लिए कोई राष्ट्रीय मिशन कार्यान्वित कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) पाम ऑयल की खेती के अंतर्गत चिह्नित संभावित क्षेत्र और वर्तमान क्षेत्र का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार का विचार उक्त मिशन के क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम के अंतर्गत प्रदान की जाने वाली वित्तीय सहायता में वृद्धि करने का है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-पाम ऑयल" के संबंध में दिनांक 11 अगस्त, 2026 को उत्तरार्थ लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 330 के भाग (क) से (घ) के संबंध में उल्लिखित विवरण।

(क) एवं (ख): सरकार खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने और आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन (एनएमईओ) का कार्यान्वयन कर रही है, जिसमें राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन - तिलहन (एनएमईओ-ओएस) शामिल हैं। एनएमईओ-ओपी का शुभारंभ वर्ष 2021-22 में किया गया था जिसका उद्देश्य वर्ष 2021-22 से 2025-26 तक 6.5 लाख हेक्टेयर में ऑयल पाम की खेती करना था। इस मिशन का कार्यान्वयन 15 राज्यों (आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, तमिलनाडु, तेलंगाना और त्रिपुरा) में किया जा रहा है। राज्य-वार मिशन के लक्ष्यों और उपलब्धियों का विवरण **अनुबंध-I** में संलग्न है।

एनएमईओ-ओएस को वर्ष 2024-25 में रेपसीड-सरसों, मूंगफली, सोयाबीन, सूरजमुखी, तिल, रामतिल और कुसुम जैसी प्रमुख तिलहन फसलों के साथ-साथ कॉटन-सीड, राइस-ब्रान, मक्का, नारियल का तेल और ट्री-बोर्न ऑयल जैसे द्वितीयक स्रोतों के उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए प्रारंभ किया गया था। एनएमईओ-ओएस उन्नत बीज किस्मों, क्लस्टर प्रदर्शनों, प्रौद्योगिकी प्रसार और तिलहन मूल्य श्रृंखलाओं के अन्य कार्यकलापों को बढ़ावा देता है।

(ग): कार्यान्वयन करने वाले राज्यों में ऑयल पाम की संभावित क्षेत्रफल तथा ऑयल पाम की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल का राज्यवार ब्यौरा **अनुबंध-II** में संलग्न है।

(घ): जी नहीं।

अनुबंध-I

राज्य-वार लक्ष्य और मिशन की उपलब्धियां (2021-22 से 2025-26 तक)

(क्षेत्रफल हेक्टेयर में)

क्रम सं.	राज्य	मिशन लक्ष्य	मिशन की उपलब्धियां
1	आंध्र प्रदेश	1,12,000	97,871
2	छत्तीसगढ़	16,400	4,242
3	गोवा	800	50
4	गुजरात	12,700	542
5	कर्नाटक	19,300	7,045
6	केरल	6,500	434
7	ओडिशा	10,500	9,977
8	तमिलनाडु	18,500	1,579
9	तेलंगाना	1,25,300	98,112
10	अरुणाचल प्रदेश	40,000	20,967
11	असम	2,00,000	14,032
12	मणिपुर	31,000	238
13	मिजोरम	27,000	3,617
14	नागालैंड	30,000	8,459
15	त्रिपुरा*	-	6,137
	कुल	**6,50,000**	**2,73,302**

*त्रिपुरा ने वर्ष 2023-24 में एनएमईओ-ओपी का कार्यान्वयन शुरू किया।

अनुबंध-II

राज्य-वार ऑयल पाम की संभावित क्षेत्र एवं खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल

(क्षेत्रफल हेक्टेयर में)

क्रम सं.	राज्य	संभावित क्षेत्र	ऑयल पाम की खेती के अंतर्गत क्षेत्रफल
1	आंध्र प्रदेश	5,31,379	2,82,511
2	छत्तीसगढ़	57,149	9,784
3	गोवा	2,000	1,020
4	गुजरात	62,361	6,757
5	कर्नाटक	72,642	53,999
6	केरल	43,676	6,322
7	ओडिशा	34,291	33,107
8	तमिलनाडु	95,719	34,561
9	तेलंगाना	4,36,325	1,19,494
10	अरुणाचल प्रदेश	1,33,811	25,213
11	असम	3,75,428	16,528
12	मणिपुर	66,652	374
13	मिजोरम	66,792	30,297
14	नागालैंड	51,297	13,631
15	त्रिपुरा	1,46,364	6,667
	कुल	**21,75,886**	**6,40,264**

*****